भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या **141***

जिसका उत्तर मंगलवार, 20 दिसम्बर, 2022/29 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है।

नैनो उर्वरक

141*. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नैनो उर्वरकों के युक्तिपूर्ण इस्तेमाल के क्या लाभ हैं;

(ख) क्या यह सच है कि वर्तमान में एकमात्र स्वीकृत नैनो उर्वरक इफको नैनो यूरिया है;

(ग) यदि हां, तो कलोल, गुजरात स्थित इफको-संयंत्र में नैनो यूरिया की उत्पादन क्षमता कितनी है;

(घ) क्या सरकार ने भविष्य में उपयोग के लिए किसी अन्य रासायनिक उर्वरक को नैनो उर्वरक में परिवर्तित करने का विचार किया है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री

(डा. मनसुख मांडविया)

(क) से (ड.): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

"नैनो उर्वरक" के संबंध में श्री एस. निरंजन रेड्डी द्वारा पूछे गए दिनांक 20.12.2022 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 141* में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): इफको ने गुजरात में अपनी कलोल इकाई में नैनो यूरिया (तरल) उर्वरकों की प्रति दिन 1,50,000 बोतलों (500 मिलीलीटर आकार) की उत्पादन क्षमता के साथ पहली विनिर्माण सुविधा स्थापित की है और 1 अगस्त, 2021 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। इफको द्वारा विकसित नैनो यूरिया को कई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में किए गए प्रारंभिक प्रायोगिक परीक्षणों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ)-1985 में अनंतिम रूप से शामिल किया गया है।

विभिन्न फसलों पर नैनो-यूरिया के छिड़काव से टॉप-ड्रेस्ड यूरिया में 50% की बचत के साथ उर्वरकों की पूरी अनुशंसित खुराक के तहत प्राप्त उपज के बराबर उपज मिली। नैनो यूरिया (तरल) जब पत्तियों पर छिड़का जाता है तो रंध्रों और अन्य छिद्रों से आसानी से प्रवेश कर जाता है और फसलों की नाइट्रोजन की आवश्यकता को पूरा करता है। अपने अनूठे आकार और सतह क्षेत्र से आयतन के उच्च अनुपात के कारण, यह फसल पोषकतत्वों की आवश्यकता को प्रभावी रूप से पूरा करता है। इसके परिणामस्वरूप फसलों का पोषण संबंधी दबाव कम होता है, बेहतर विकास होता है और उपज के विशेष गुण बढ़ते हैं।

(घ) और (ङ): नैनो उर्वरकों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने उर्वरक नियंत्रण, 1985 में इन उर्वरकों को शामिल करने के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं। इन दिशानिर्देशों के आधार पर इन उर्वरकों के विनिर्देशों को शामिल करने के लिए नैनो उर्वरकों के निर्माताओं से जब भी कोई प्रस्ताव प्राप्त होगा, उस पर विचार किया जाएगा।

*****